COE GOVT. COLLEGE SANJAULI-06

SANSKRIT DEPARTMENT

Course & Programme Outcomes

The Department of SANSKRIT is offering BA with Sanskrit under the CBCS. The degree programme offered by the Department of Sanskrit Consist of Discipline Specific core , Elective, Skill Enhancement & Generic Elective, AECC and compulsory Courses. The outcomes of courses are to provide moral value, ethics and quality education. It helps students to become more skilful and contribute more towards the nation building. It also provides more social values to students and helps in getting employed. Sanskrit also makes students precise as it is the only language which has the power to say something with the minimum words. Sanskrit is also called the language of the computers.

संस्कृत-भाषा विश्व की प्राचीनतम भाषा है तथा भारतीय संस्कृति संस्कृत पर आश्रित है। इसमें राजनीतिक ,आध्यात्मिक ,वैज्ञानिक ,धार्मिक ,लौकिक ,अलौकिक एवं व्यावहारिक अनेकविध ज्ञान का अथाह भंडार है ।इसका समृद्ध वैदिक ,औपनिषदिक,पौराणिक एवं दार्शनिक साहित्य इसकी सार्वभौमिकता को सिद्ध करता है । यद्यपि पाठ्यक्रम में इतना विस्तृत साहित्यिक ज्ञान सम्भव नहीं है तथापि विद्यार्थियों की बोधगम्यता को ध्यान में रखते हुए जो जो पुस्तकांश निर्धारित हैं ,उसकी उपादेयता के विषय में संक्षिप्त सार प्रस्तुत है:-

1. Requisite Information about Department of Sanskrit

List of the Courses:

Year	Course Code	Course Type	Course Name	Course Outcome/ Objective
B.A. 1st Year	DSC-1A SKT-DSC 101	Core course	**संस्कृत काव्य**	इस पाठ्यक्रम में संस्कृत महाकाव्यों में वर्णित राजाओं की राजनीतिक, सामाजिक व धार्मिक इत्यादि भावनाओं को पद्यबद्ध किया गया है,जो समाज व छात्रों को समर्पण भावना का संदेश देता है।
	DSC-1B SKT-DSC 102	Core Course	**संस्कृत गद्य काव्य**	इस पाठ्यक्रम में संस्कृत गद्यकाव्यों का ऐतिहासिक, सांस्कृतिक व साहित्यिक रूप से संक्षिप्त वर्णन है जो तत्कालीन भारतवर्ष की स्थिति स्पष्ट करता है।
	SKT/MIL-1 SKT-DSC-103	Compulsory Course	**नीति साहित्य**	इस पाठ्यक्रम में छात्रों व समाज को नीति, संस्कार, समर्पण व प्रेम भावना की शिक्षा दी गई है। यह अनिवार्य पाठ्यक्रम है।इसे सभी विद्यार्थी पढ़ते हैं। इसमें नीति की कहानियों के माध्यम से व्यावहारिक-शिक्षा दी जाती है तथा अथर्ववेद के एक सूक्त के माध्यम से ब्रह्मचर्य के प्रति जागरूक किया जाता है। अनिवार्य विषय के रूप में संस्कृत पाठ्यक्रम में नीति-साहित्य का अध्ययन कहानियों के माध्यम से विद्यार्थियों को लोक-व्यवहार के विषय में शिक्षित करता है।आज के युवाओं को नैतिक शिक्षा एवं मानवमूल्यों के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए संस्कृत भाषा का अध्ययन एक अच्छा विकल्प प्रदान करती है।
	AECC SKT-AECC-104	Compulsory Course	**उपनिषद्,श्रीमद्भगवद्गीता तथा पाणिनीय शिक्षा**	इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को जीवन की वास्तविकता व निष्काम कर्म की शिक्षा देना है।यह भी एक अनिवार्य पाठ्यक्रम है। इसे कला एवं वाणिज्य संकाय के विद्यार्थी पढ़ सकते हैं। इसमें श्रीमद्भगवद्गीता एवं उपनिषद् के अंश निर्धारित हैं जो शिक्षार्थियों को कर्म-पथ पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। श्रीमद्भगवद्गीता भारतीय धर्म एवं दर्शन का आधारस्तम्भ है। मानवमूल्यों के ज्ञान एवं सम्वर्द्धन की शिक्षा गीता के अतिरिक्त अन्यत्र दुर्लभ है।
	DSC-1C SKT-DSC-201	Core Course	**संस्कृत नाटक**	इस पाठ्यक्रम में संस्कृत नाटकों में वर्णित राजाओं की राजनीतिक, सामाजिक ,सौहार्दपूर्ण भावनाओं को नाटयबद्ध किया गया है, जो समाज को समर्पण भावना की प्रेरणा देता है। यह पाठ्यक्रम संस्कृत.नाटकों के माध्यम से कुछ ऐतिहासिक वृत्तान्तों को जानने एवं उनमें विद्यमान लौकिक ज्ञान को प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है।

B.A. 2nd year	DSC-1D SKT-DSC-202	Core Course	**संस्कृत व्याकरण**	इस पाठ्यक्रम में संस्कृत के व्याकरण का सामान्य परिचय दिया गया है। जो छात्रों के लिए उच्चारण की दृष्टि से बहुत उपयोगी है। भाषा को समझने के लिए व्याकरण की उपादेयता सर्वविदित है। संस्कृत व्याकरण एकमात्र वैज्ञानिक व्याकरण है। संस्कृत भाषा के आधारभूत नियमों से सम्बंधित कुछ प्रकरण शिक्षार्थियों के लिए अतीव उपयोगी हैं।
	AEEC/SEC-1 SKT-SEC-205	Skill Enhancement Course	**आयुर्वेद के मूल सिद्धान्त**	इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत आयुर्वेद के मूल सिद्धान्तों का वर्णन किया गया है ,जो छात्रों के लिए बहुत उपयोगी है। हमारा यह शरीर सभी प्रकार के कर्मों एवं धार्मिक कार्यों को करने का एकमात्र साधन है अतरू इसका निरंतर क्रियाशील तथा स्वस्थ होना अत्यावश्यक है। हमारी दैनिक दिनचर्या कैसी होनी चाहिए, भोजन किस तरह का लेना चाहिए एआचरण कैसा होना चाहिए इस प्रकार के शरीर को स्वस्थ रखने के उपायों के विषय में विद्यार्थी इस पाठ्यक्रमके माध्यम से ज्ञानार्जित कर सकते हैं।
	AEEC/SEC-2 SKT-SEC-206	Skill Enhancement Course	**संस्कृत-छन्द एवं गायन**	इसमें संस्कृत भाषा के छन्दों का वर्णन किया गया है तथा उसके गायन की विधि के बारे में भी बताया गया है जो छात्रों के लिए उच्चारण व गायन की दृष्टि से बहुत उपयोगी है। इस पाठ्यक्रम में छन्दों का आरम्भिक ज्ञान एइनका इतिहास तथा गायन की कला के विषय में वर्णन है। भारतीय शास्त्रीय संगीत का मूल उद्गम संस्कृत के ग्रंथों में ही निहित है। छन्द.शास्त्र संगीत का अभिन्न अंग है प्गायन के समय में उच्चारण की बारीकियों का ज्ञान इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से प्राप्त हो सकता है।
	SKT/MIL-2 SKT-DSC-203	Compulsory Course	**व्याकरण एवं संयोजन**	इस पाठ्यक्रम में संस्कृत के व्याकरण का सामान्य परिचय दिया गया है ,जो छात्रों के लिए व्याकरण की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है।
	DSE-1A SKT-DSE-301	Discipline Specific Elective	**व्यक्तित्व विकास का भारतीय दृष्टिकोण**	इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत व्यक्तित्व विकास के भारतीय दृष्टिकोण का वर्णन किया गया है ,जिसके अन्तर्गत व्यक्ति की अवधारणा, ऐतिहासिक दृष्टिकोण, व्यक्तित्व के प्रकार तथा व्यवहार सुधार के मापदण्डों का निरूपण हैं जो छात्रों के लिए बहुत उपयोगी है। इसमें मनुष्य के आचार .व्यवहार एवं सृष्टि के विषय में ज्ञान दिया गया है। यह संसार अस्तित्व में कैसे आया तथा इसमें मानव का क्रमिक विकास कैसे हुआ एइससे सम्बद्ध ज्ञान विद्यार्थी यहाँ ग्रहण कर सकते हैं।

B.A. 3rd Year	DSE-1B SKT-DSE-302	Discipline Specific Elective	**साहित्यिक समालोचना**	इसमें संस्कृत भाषा के छात्रों के लिए काव्य के प्रयोजन, हेतु, स्वरूप, भेद, रस-विवेचन तथा शब्दशक्तियों का वर्णन है जो छात्रों के लिए साहित्यिक-दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है।
	GE -1 SKT-GE-303	Generic Elective	**पातंजल योगसूत्र**	इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत पतंजलि के योगसूत्र का निरूपण हैं जिसमें योगदर्शन की पृष्ठभूमि के साथ-साथ योग के सूत्र वर्णित है, आधुनिक समय में सभी के लिए बहुत उपयोगी है। योग एक ऐसा साधन है जो मानवमात्र को शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रखते हुए मोक्ष के मार्ग पर ले जा सकता है। लौकिक एवं परलौकिक सुख की आकांक्षा करने वाला जिज्ञासु छात्र इस पाठ्यक्रम के माध्यम से आत्मोद्धार कर सकता है।
	GE -2 SKT-GE-304	Generic Elective	**भाषा-विज्ञान के मूलभूत सिद्धान्त**	इसमें संस्कृत भाषा के छात्रों के लिए भाषा-विज्ञान के मूलभूत सिद्धान्तों का सामान्य परिचय दिया गया है ,जो छात्रों के लिए भाषा व उच्चारण की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है।
	AEEC/SEC-3 SKT-SEC-305	Skill Enhancement Course	**भारतीय रंगशाला**	इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत भारतीय रंगशाला के इतिहास, निर्माण, प्रकार तथा अभिनयों का संक्षिप्त वर्णन है जो भारतवर्ष की प्राचीन सभ्यता व संस्कृति का ज्ञान छात्रों को कराता है। भारतीय रंगशाला नाम वाला यह पाठ्यक्रम मंच से सम्बद्ध अभिनय आदि के विषय में बच्चों को शिक्षित करता है। अभिनय क्या है? कितने प्रकार का है? मंच पर नाटक आदि का मंचन कैसे किया जाता है? इत्यादि व्यक्तिगत कला को निखारने के विविध विषयों की शिक्षा पाठक यहाँ प्राप्त कर सकता है।
	AEEC/SEC-4 SKT-SEC-306	Skill Enhancement Course	**भारतीय वास्तुशास्त्र**	इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत भारतीय वास्तुशास्त्र की पद्धति का निरूपण हैं जिसका उद्देश्य छात्रों के लिए गृह-निर्माण की कला के साथ-साथ पर्यावरण व वास्तुकला विज्ञान की शिक्षा देना है। भवन निर्माण के समय कैसी भूमि का चयन किया जाना चाहिए ? घर का परिमाण, पर्यावरण एगृहवाटिका निर्माण ,वृक्षारोपण, दरवाजों का आकार, दिशा एवं गृहनिर्माण से सम्बंधित विभिन्न जिज्ञासाओं का समाधान यहाँ उपलब्ध है। गृहनिर्माण की जानकारियों से पूर्ण यह पाठ्यक्रम वर्तमान में अतीव उपयोगी है।

इस तरह संस्कृत को मुख्य-विषय के रूप में चुनकर स्नातक करने वाला विद्यार्थी एक सभ्य, सुशिक्षित ,सच्चरित्र ,व्यावहारिक एवं समाज के प्रति सजग एवं उत्तरदायी पूर्ण मानव बन सकता है।